पद २७६

(राग: काफी - ताल: दीपचंदी)

ओढावो कामल कारी। माको थंड लगे ऋतु भारी।।ध्रु.।। माणिक प्रभुजीने ओढाई कामल। दरसन आये नरनारी।।१।।